A–0194

Total Pages : 3 **Roll No. .....**

MASL–610

M.A. Sanskrit (MASL)

(संस्कृत साहित्य की आधुनिक प्रतिभाएँ भाग-02)

Examination, June 2025

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट :— यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न) 2×19=38

नोट :— खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. 19वीं शताब्दी के संस्कृत गीति काव्यों की प्रवृत्तियों का विस्तृत निरूपण कीजिए।

2. 19वीं शताब्दी के किन्हीं **चार** कवियों के व्यक्तित्व एवं उनके द्वारा रचित गीतिकाव्यों पर प्रकाश डालिए।

अथवा

19वीं एवं 20वीं शताब्दी के संस्कृत उपन्यासों का विस्तृत परिचय दीजिए।

3. आचार्य गोविन्द चन्द्र पाण्डेय एवं आचार्य चन्द्रमौली द्विवेदी के सौंदर्य एवं रस सिद्धान्त पर प्रकाश डालिए।

4. आचार्य रेवाप्रसाद द्विवेदी के व्यक्तित्व का परिचय देते हुए उनके 'चतुर्धाम सिद्धान्त' को विस्तार से समझाइए।

5. आचार्य छज्जू राम शर्मा एवं रहस बिहारी द्विवेदी द्वारा आधुनिक संस्कृत काव्यशास्त्र में योगदान का विस्तार से वर्णन कीजिए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न) 4×8=32

नोट :— खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. निम्नलिखित प्रश्नों के सही उत्तर लिखिए—

(क) 'चतुर्धाम सिद्धान्त' के प्रणेता कौन हैं ?

(ख) 'रसवसुमूर्ति' किसकी रचना है ?

(ग) 'काव्य में सत्यता का सिद्धान्त' किस आचार्य से संबंधित है ?

(घ) 'हाइकु' काव्य रचना विधा का मूल किस देश में माना जाता है ?

2. 19वीं एवं 20वीं शताब्दी के उत्तराखण्ड के किन्हीं **तीन** संस्कृत कवियों के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालिए।

3. 'गीतिकाव्य की नूतन विधाएं' विषय पर टिप्पणी लिखिए।

4. 'संस्कृत उपन्यास की प्रवृत्तियाँ' विषय पर टिप्पणी लिखिए।

5. प्रोफेसर राधावल्लभ त्रिपाठी के अलंकार सिद्धान्त पर प्रकाश डालिए।

6. आचार्य भट्ट मथुरानाथ शास्त्री के कृतित्व का परिचय दीजिए।

7. संस्कृत में नूतन काव्य विधाओं के महत्व को रेखांकित कीजिए।

8. आधुनिक संस्कृत काव्य रचना की प्रवृत्तियों का निरूपण कीजिए।

****